प्रेस नोट

कूनो राष्ट्रीय उद्यान में मादा चीता 'ज्वाला' के शावकों की मौत

दिनांक 23.05.2023 को सुबह मादा चीता 'ज्वाला' के एक शावक की मृत्यु हुई जिसके संबंध में प्रेसनोट जारी किया गया था। एक शावक की मृत्यु पश्चात् शेष 3 शावक एवं मादा चीता ज्वाला की पालपुर में तैनात वन्यप्राणी चिकित्सकों की टीम एवं मानिटरिंग टीम द्वारा दिनभर लगातार निगरानी की गई। दिन के समय चीता ज्वाला को सप्लीमेंट फुड दिया गया। दोपहर बाद निगरानी के दौरान शेष 3 शावक की स्थिति सामान्य नहीं लगी । यहॉ यह भी ध्यान देने योग्य है कि दिनांक 23.05.2023 इस ग्रीष्म ऋतु का सर्वाधिक गर्म दिन भी रहा । दिन का अधिकतम तापमान लगभग 46–47 डिग्री सेल्सियस रहा। दिनभर अत्यधिक गर्म हवाऐं एवं लू चलती रही। तीनों शावकों की असामान्य स्थिति एवं गर्मी को देखते हुए प्रबंधन एवं वन्यप्राणी चिकित्सकों की टीम ने तत्काल तीनों शावकों को रेस्क्यू कर आवश्यक उपचार करने का निर्णय लिया। 2 शावकों की स्थिति अत्यधिक खराब होने से उपचार के सभी प्रयासों के बावजूद भी उनको बचाया नहीं जा सका। एक शावक गंभीर हालत में गहन उपचार एवं निगरानी में पालपुर स्थित चिकित्सालय में रखा गया। जहॉ उसका लगातार उपचार किया जा रहा है । उपचार के लिए हमारे नामीबिया एवं साउथ अफ्रीका के सहयोगी चीता विशेषज्ञों एवं चिकित्सकों से लगातार सलाह ली जा रही है। उक्त शावक वर्तमान में गहन उपचार में है एवं उसके स्वास्थ्य की स्थिति स्थिर है। मादा चीता ज्वाला वर्तमान में स्वस्थ है जिसकी सतत निगरानी की जा रही है।

सभी चीता शावक कमजोर, सामान्य से कम बजन एवं अत्यधिक डिहाइड्रेटेड पाये गये। मादा चीता ज्वाला हैण्ड रियर्ड चीता है जो पहली बार मॉ बनी है। चीता शावकों की उम्र लगभग 8 हफ्ते है इस अवस्था में चीता शावक सामान्यतः जिज्ञासु होते हैं एवं मॉ के साथ लगातार चलते हैं, चीता शावकों ने अभी लगभग 8–10 दिन पूर्व ही मॉ के साथ घूमना शुरू किया था। चीता विशेषज्ञों के अनुसार सामान्यतः अफ्रीका में चीता शावकों का जीवित रहने का प्रतिशत बहुत कम होता है। स्टेंडर्ड पोटोकाल अनुसार पोस्टमार्टम की कार्यवाही की जा रही है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी), मध्यप्रदेश

कैम्प पालपुर, कूनो राष्ट्रीय उद्यान